[कुमारी शैलजा]

सर, वैसे कांग्रेस पार्टी ने हमेशा रास्ता दिखाया है। सर, Mrs. Annie Besant, Mrs. Nellieji, श्रीमती सरोजनी नायडु, श्रीमती इंदिरा गांधी से लेकर श्रीमती सोनिया गांधी जी तक हमारी कांग्रेस पार्टी की प्रेज़िडेंट रही हैं। आज के दिन भी ममता जी हैं, मायावती जी हैं, जयललिता जी हैं और कितनी महिला नेता हैं अलग-अलग पार्टियों की, जो दिखा सकती हैं कि कुशल नेतृत्व क्या होता है? सर, जो सत्ता पक्ष है, मुझे दुख के साथ कहना पड़ता है कि इनकी पार्टी ने आज तक नहीं दिखाया, मुझे नहीं लगता। Please correct me if I am wrong, and I shall regret if I am saying the wrong thing. लेकिन मुझे नहीं लगता कि सत्ता पक्ष की पार्टी भारतीय जनता पार्टी ने अपनी कभी भी कोई प्रेज़िडेंट एक महिला बनाई हो। ...(**व्यवधान**)...

अल्पसंख्यक कार्य मंत्री (**डा. नज़मा ए. हेपतुल्ला**)ः यह गलत बात है।

कुमारी शैलजाः सर, देश में तो महिला प्रेज़िडेंट तक रह चुकी हैं। सर, ज्यादा कुछ न कहते हुए, आज हमें सरकारी रूप से तो करना ही है, महिलाओं के लिए रिज़र्वेशन तो लाना ही है, लेकिन समाज में भी हम सभी को, rising above party-lines, महिलाओं को जितनी इज्जत देनी चाहिए, उसकी आज के दिन भी बहुत कमी है। सारे समाज को इसके बारे में सीरियसली सोचना पड़ेगा। एक दिन के टोकनिज्म से नहीं, बल्कि इसमें पूरा बदलाव लाना पड़ेगा। जब तक महिलाओं को हम पहले as a human being की तरह इज्जत नहीं दे पाएंगे, तब तक... हम कभी कहते हैं कि दुर्गा है, कभी कहते हैं कि लक्ष्मी है, कभी कहते हैं कुछ हैं, ऐसा भगवान न बनाएं। महिलाओं को महिला ही रहने दें और उनको एक human being समझें। सर, मैं बड़े दुख के साथ एक आखिरी बात कह कर बैठना चाहूंगी। Sir, please don't take it personally, and I hope I would be corrected if I am wrong, लेकिन आज के दिन राज्य सभा में कोई महिला प्रीसाइडिंग आफिसर नहीं है।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay. Your suggestion would certainly be brought to the notice of the hon. Chairman.

KUMARI SELJA: Sir, it has not gone on record because the mike had been switched off.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay. Now, Shrimati Renuka Chowdhury.

UN International Women's Day theme for 2016 - 'Planet 50-50 by 2030: Step It Up initiative for gender equality'

श्रीमती रेणुका चौधरी (आन्ध्र प्रदेश)ः सर, मैं आपको धन्यवाद देती हूं कि आज आपने मुझे बोलने का मौका दिया है और मैं बोलूं, तो उसको सुन लिया जाए। मैं सबसे पहले यह पूछना चाह रही हूं कि जितने भी मेरे मर्द कलीग्स हैं, आपको क्या तकलीफ है कि आज के दिन आप लोग नहीं बोल रहे हैं? हैलो, आप हर रोज मौका लेते हैं, तो आज आपको बोलना था, ...(**व्यवधान**)... हमारे सपोर्ट में इस हाउस को रिजोल्यूशन लेना था। ...(**व्यवधान**)...

SHRI TAPAN KUMAR SEN (West Bengal): Sir, I may be permitted to speak. *...(Interruptions)...*

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY: Yes, yes. Now, you are getting up. It is very good. सर, दूसरी बात यह है कि हम ...(**व्यवधान**)... इस देश में जहां जन्म लेते हैं, तो यहां कहा जाता है, मातृभूमि। हम जो जुबान इस्तेमाल करते हैं और बोलते हैं, तो उसको कहा जाता है, मातृभाषा। इस मातृ का वैभव और इसकी मर्यादा और गरिमा को एक ही मर्द ने पहचाना था, जो असली मर्द स्वर्गीय राजीव गांधी जी थे, जिन्होंने एक दस्तख्त से हमारी तकदीर बदल दी कि हम पूरे देश में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हो सकते हैं। मैं आज के दिन उन माताओं और महिलाओं को, जो रोहित वेमुला की मां हैं, जो नीलम कटारिया हैं, जो सुनीता कृष्णन हैं, जिनको अभी पदमश्री मिला है, जो आन्ध्र प्रदेश से हैं और जो निर्भया ज्योति की मां आशा हैं, मैं इन सब महिलाओं को सलाम करती हूं कि इनके हस्बैंड उनको सपोर्ट करें या न करें, लेकिन आज वे खड़ी होकर एक लड़ाई लड़ रही हैं। इसी पहचान के लिए, इसी मौके के लिए, जो आज हम इस हाउस में खड़े होकर बोल रहे हैं। हमारे देश का क्या इतिहास रहा है कि आजादी के बाद 16 पार्लियामेंट, 16 लोक सभा के बाद हम इस हाउस में आए गए। जब मैं यहां आ रही थी, तो मुझसे मीडिया के लोग पूछ रहे थे कि किसी फिल्म स्टार ने किसी महिला के बारे में बदकिस्मती से बुरा बोला है। यदि कोई यह कहे कि सेक्सुअल हैरेसमेंट का केस चल रहा है और इंस्टिट्यूशन्स उसको नहीं देखते हैं। आप लोग क्या सोचते हैं? अगर यहां से इशारा नहीं मिलेगा, हम अपने घर की चौखट छोड़कर यहां आते हैं, हम संविधान द्वारा दिए गए अधिकार से यहां आते हैं, किसी के एंटरटेन्मेंट के लिए नहीं आते हैं। हम आप लोगों की नौकरी की पर्क्स नहीं हैं। जब तक यह नहीं पहचाना जाएगा in the organizations and in the institutions, साल में यहां एक बार बोलना, यह एक मज़ाक की बात हो जाती है। We need to make a concerted effort, हम क्या बोलना चाह रहे हैं? हम लोग 50 per cent पॉपुलेशन में हैं। हैलो, हम 50 per cent gender-wide पॉपुलेशन हैं। आप जो 50 per cent पिता, भाई ...(**व्यवधान**)... जो भी आप लोग हैं, we look after all of you. इतने घुमाफिराकर ...(**व्यवधान**)... आप लोग हम से मांग रहे हैं।*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay. Please रेणुका जी, बैठिए। It is not going on record.

श्रीमती रेणुका चौधरीः *

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay, Notices given by women Members are over. Now, Shri Ghulam Nabi Azad.

Threats to life of political opponents

विपक्ष के नेता (श्री गुलाम नबी आज़ाद): उपसभापति जी, मैं अपनी बात दो मिनट में रखूंगा। मैं अपने और मेरे ख्याल में सभी पुरुष साथियों की तरफ से, हम पर जो आरोप लगा है कि हम इसके हक़ में नहीं हैं, जबकि हम बराबर हक़ में हैं, उस संदर्भ में बताना चाहता हूं कि आज चेयर की अध्यक्षता में यह डिसाइड हुआ था कि आज सबसे पहले हमारी बहनों को मौका दिया जाए, इसलिए हमारे जो पुरुष साथी हैं, वे बोल नहीं पाए, लेकिन उनकी खामोशी का यह मतलब नहीं है कि वे हमारी बहनों, बहू-बेटियों, माँओं की भावनाओं से सहमत नहीं हैं, हम उनसे बराबर सहमत हैं, रिज़र्वेशन बिल्कुल

*Not recorded.